रात्रि क्लास 9/12/68 ओम शान्ति शिवबाबा याद है?

तुम बच्चे कैसे अच्छे वारियर्स हो। सदैव खुशी ही खुशी है। उनका हार-जीत तकदीर पर है। तुमको तो बाप ने सहज रास्ता बताया है। बाप को याद करो तो स्वर्ग में चले जावेंगे। स्वर्ग में जो जाना ही है, यह तो पक्का है ना। तुम्हारा ऐटॉमिक बॉम्ब्स आदि है याद की यात्रा। कितनी सहज-सहज है तुम्हारे लिए। यह है हाईएस्ट वारियर्स इन द वर्ल्ड। तो सदैव हर्षित रहना चाहिए। हम बीमार हैं, अधमरे हैं तो भी शिवबाबा को याद करने से बड़े बॉम्ब्स लगाते रहते हैं। बीमारी में और ही महावीर बनते हो। याद से ही तुम विश्व पर बादशाही प्राप्त करते हो। और कोई तकलीफ की बात नहीं। बाप कहते हैं घूमो-फिरो, याद करते रहो। बाप को याद नहीं करते हो गोया हथियार नहीं चलाते हो। समझते हो कल्प-कल्प हम ऐसे ही राज्य लेते हैं। हमारी लड़ाई यो(ग)बल की ऐसी है तो(जो) सभी खत्म हो जावेंगे। बाकी थोड़े जाकर रहेंगे। विश्व में शांति के (लिए) मनुष्य कितना मारते रहते हैं। जो राय देते हैं उनको प्राइज़ देते हैं। तुम बच्चे क्या करते हो? लवली फादर को याद करते हो। पारलौकिक बाप को याद करने से ही तुम्हारा बेड़ा पार हो जाता है; परन्तु माया इतनी जबरदस्त है जो याद करने न देती। बड़े अच्छे-2 महारथी सेन्टर्स के हेड्स बनी हैं; परन्तु याद का गोला चलाते ही नहीं हैं। बाप को याद करने में साइलेंस में रहना पड़ता है। याद में तुम्हारा मुखड़ा बड़ा ही हर्षित रहना चाहिए। सारी सृष्टि को बॉम्ब्स लगाते हो। अभी तुम्हारे साइलेंस का योगबल काम में आता है। कितनी गम्भीर बातें हैं। अन्दर में बहुत खुशी रहती है। जैसे स्त्री पति को याद करती है तो बहुत खुशी होती है। कुमारीपने में इतनी खुशी नहीं जितनी शादीपने में होती है। कुमारी को चिंतन रहती है शादी करें। फिर कहेंगी बच्चा पैदा करें। तुमको अब है बाप को याद कर स्वर्ग की बादशाही लेवें। वह पति को याद कर नर्कवासी बनती है, तुम बाप को याद कर स्वर्गवासी बनते हो। कितना फर्क है! तुम बाप को याद कर स्वर्ग की बादशाही लेते हो। तो अन्दर में खुशी रहती है। बाप कहते हैं याद न करेंगे तो नापास हो जावेंगे। दलाल है ना। सद्गुरु मिला दलाल के रूप में। सौदा तो यह कराते हैं ना। बेहद का बाप कहते हैं, भगवानुवाच– मुझे याद करो तो तुम्हारे पाप भस्म हो जावेंगे। याद से ही जैसे की दौड़ी ठीक पहनते हो। तुम्हारी लॉटरी है। जितना जास्ती याद की यात्रा करते हैं इतना इनाम मिलता है। विश्व की बादशाही लेने जल्दी-2 जाना है। नर्क से स्वर्ग, पुरानी दुनिया से नई दुनिया में जाने की गॉड फादरली रेस है। आत्मा कैसे यात्रा करती है। 5000 वर्ष बाद घर जाते हैं। कितनी खुशी होनी चाहिए। नर्क से स्वर्ग जाने की यात्रा है। इसमें ही लगा रहना चाहिए। बाप बच्चों को कहते हैं लक्की सितारे। तो तुम लक्की हो ना, जो-जो दौड़ी पहनते हैं। बाप बच्चों को खुशी में लाने लिए बहुत भिन्न-2 प्रकार की युक्तियाँ बतलाते हैं। तुमको तो बाप मिला और क्या चाहिए। परमात्मा पार ब्रह्म में रहने वाला है, बाकी क्या चाहिए। विश्व के मालिक बनते हो देही-अभिमानी होकर। इंग्लिश में होशियार हो तो बाबा बाहर भी भेज सकते हैं; परन्तु अजन लायक नहीं हैं। समझ सकते हैं हम लायक नहीं हैं; क्योंकि देह-अभिमान है। कोई के कल्याण करने के लायक नहीं हैं। तुम बच्चों का यह व्यापार है। अपने लिए ही करते हो। बाप कहते हैं तुम्हीं सुखी बनो। मुझे याद कर सुखी बनो। याद करो, याद करो तो विश्व के मालिक बनेंगे। इससे सस्ता सौदा और कोई होता ही नहीं। समझते भी हो इस व्यापार से हम सदा सुखी बनते हैं। कोई मेहनत की बात नहीं, सिर्फ याद करना है। कितना सस्ता सौदा बाप देते हैं। अच्छा, रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का यादप्यार, गुडनाइट और नमस्ते।

मीठे-2 बच्चों को श्रीमत पर चलना चाहिए। बहुत हैं जो श्रीमत पर चलते ही नहीं, भूल जाते हैं। आधा बच्चों को तो माया जीत लेती है, उठने न देती है। ऐसा थप्पड़ ज़ोर से मारती है जो एकदम गिरा देती है। तकदीर में न है तो ज़रा भी ज्ञान बुद्धि में नहीं बैठता। यहाँ तुम अपने तकदीर को बहुत ऊँच बनाने आए हो। स्कूल में तकदीर बनाने जाते हैं ना। यह है पाठशाला। कितनी ढेर तकदीर बनती है। तो कितना अटेन्शन दे रुचि से पढ़ना चाहिए। ओम।